...में उद्योगों ... बिजली

...। इस वादे के बाद सभी ...नही कर सभी कटों को ...अभी यहां किसी प्रकार ...लगाए जा रहे हैं। बता ...टी मानेसर के उद्यमियों ...ल बिजली के कटों से ...उद्यमियों ने प्रधानमंत्री ...से बिजली आपूर्ति को ...नियों के हवाले करने की ...।

...कहते हैं अधिकारी: ...देव, एसडीओ, दक्षिण ...बिजली वितरण निगम, ...बताया कि औद्योगिक ...की औद्योगिक इकाईयों ...बिजली दी जाने लगी ...डरों पर ओवरलोड की ...है। बैठक के बाद ...कोई कट नहीं लगाया

फिलिपिंस राजघराने की सदस्या का रोली-चंदन का तिलक लगाकर स्वागत

फर्रूखनगर ,सांभ्रवाल,(पंजाब केसरी): ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमैंट फर्रुखनगर में फिलिपिंस राजघराने की सदस्या एवं वी केयर हयूमेनिटी इंटरनेशनल संस्था की अध्यक्ष राजकुमारी मारिया अमोर का शिक्षकों और छात्रों ने फूलमालाएं पहना कर व रोली चंदन का तिलक लगा कर भव्य स्वागत किया। भारतीय संस्कृति से हुए स्वागत से राजकुमारी फूली नहीं समाई और छात्राओं का हाथ जोड़ की अभिनंदन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जहां भी रहों खुशी के पल व्यतीत करो और सभी के साथ हाथों से दिल बना कर मानव एकता का संदेश दिया। उन्होंने ने शिक्षण संस्थान का भ्रमण किया। उनके सम्मान में देश भक्ति व सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भ्रमण का मुख्य उदेश्य ग्रामीण क्षेत्र में बेटियों के शिक्षा स्तर की जानकारी लेना था। राजकुमारी मारिया अमोर ने मेक इन इंडिया पर आधारित सेमिनार का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र्गान के साथ के बाद की गई। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रुप में समाजिक कार्यकर्ता साकेत मणी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े गुरु शिक्षक होते हैं। जो सबसे पहले शब्द ज्ञान एंव लेखन विधि सिखाते हैं। उनका सम्मान करने वाला शिष्य ही उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। भारत की संस्कृति में ज्ञान का भंडार छुपा है। जिसे देखने ओर सुनने मात्र से महापुरुषों की जानकारी हो जाती है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में स्कूल नहीं होते थे। वहां पर इंजनीयरिंग कॉलेज बन गए हैं। उनका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण लड़कियों को मिल रहा है। यही वजह है कि भारत की बेटियां विदेशों में इंजीनियर, जज, डाक्टर, एंव अन्य उच्च पदों पर कार्य करके देश का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बेटों के समान बेटियों को शिक्षित करने में कंजूसी न बरते। एक शिक्षित बेटी शिक्षा रुपी चिराग जलाकर दो परिवारों को रोशन करती है। ज्ञान का पाठ पढ़ा रही मारिया अचनाक विद्यार्थियों के बीच पहुंच गई। उन्हे आते देखकर खुशी का ठिकाना नही रहा सभी ने खड़े कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डा.रविंद्र टोकस, निदेशक डा. संदीप तिवारी, डा. अरुणा यादव, डा. अनिवाश द्विवेदी, प्रो. पीके मिश्रा, वैशाली, मधुकौर आदि मौजूद थे।